चितरंगी फायर ब्रिगेड और शव वाहन विहीन

आश्वासन बनकर रह गए कागजी दावे, सांसद, मंत्री और प्रशासन से त्वरित हस्तक्षेप की मांग तेज

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 25 अप्रैल। क्षेत्रीय जनता की बुनियादी जरूरतों को लेकर एक बार फिर प्रशासनिक लापरवाही उजागर हुई है। चितरंगी क्षेत्र में आज तक न तो फायर ब्रिगेड की स्थायी सुविधा उपलब्ध हो सकी है और न ही शव वाहन की व्यवस्था सुनिश्चित की जा सकी है। वर्षों से इन दोनों आवश्यक सेवाओं को लेकर जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा बड़े-बड़े वादे किए जाते रहे हैं, लेकिन हकीकत में स्थिति जस की तस बनी हुई है। इससे क्षेत्र की जनता में गहरा आक्रोश व्याप्त है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि आगजनी की घटनाओं के दौरान फायर ब्रिगेड की अनुपलब्धता गंभीर संकट खड़ा कर देती है। आसपास के शहर या दूरस्थ क्षेत्रों से दमकल वाहन आने में इतना समय लग जाता है कि तब तक आग विकराल रूप धारण कर लेती है और भारी नुकसान हो जाता है। कई मामलों में ग्रामीणों को खुद ही संसाधनों के अभाव में आग बुझाने का प्रयास करना पड़ता है, जिससे जान-माल का खतरा और बढ़ जाता है। लोगों का आरोप है कि यदि समय पर दमकल की सुविधा उपलब्ध होती, तो कई बड़ी घटनाओं को रोका जा सकता था। इसी तरह शव वाहन की सुविधा न होने के कारण भी क्षेत्र के लोगों को अत्यंत कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। किसी व्यक्ति की मृत्यु होने पर परिजनों को शव को अस्पताल या अंतिम संस्कार स्थल तक ले जाने के लिए निजी वाहनों का सहारा लेना पड़ता है। यह स्थिति न केवल दुखद है, बल्कि मानवीय संवेदनाओं को भी ठेस पहुंचाती है। कई बार आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह व्यवस्था करना और भी चुनौतीपूर्ण हो जाता है। गौरतलब है कि इस मुद्दे को लेकर पूर्व में कई बार घोषणाएं की जा चुकी हैं। जनप्रतिनिधियों ने सार्वजनिक मंचों और समाचार पत्रों के माध्यम से फायर ब्रिगेड और शव वाहन जल्द उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया था। इसके बावजूद अब तक कोई ठोस पहल जमीन पर दिखाई नहीं दी है। इससे साफ प्रतीत होता है कि जिम्मेदार अधिकारियों और नेताओं के वादे केवल कागजों तक ही सीमित रह गए हैं। यही वजह है कि वर्षों से चितरंगी में फायर ब्रिग्रेड की मांग हो रही थी। 1 वर्ष पूर्व यह भी बात सामने आई थी कि एक फायर बिग्रेड थाने में खड़ा रहेगा, लेकिन यह बात भी अधिकारियों और नेताओं की हवा-हवाई निकली।

सुविधाएं केवल घोषणाओं और वायदों तक ही सीमित

अब क्षेत्र की जनता ने इस मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाते हुए सांसद, मंत्री, कलेक्टर और एसडीएम से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। सामाजिक संगठनों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी इस समस्या को गंभीर बताते हुए प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की मांग की है। चितरंगी की जनता आज भी उन सुविधाओं का इंतजार कर रही है, जो किसी भी क्षेत्र के लिए अत्यंत आवश्यक मानी जाती हैं। लेकिन दुर्भाग्यवश यहां अब तक ये सुविधाएं केवल घोषणाओं और वादों तक ही सीमित हैं। अब देखना यह है कि प्रशासन और जनप्रतिनिधि जनता की इस जायज मांग पर कब तक गंभीरता दिखाते हैं और क्षेत्र को इन मूलभूत सेवाओं से कब तक वंचित रखा जाता है।

जमीन विवाद में पीट-पीटकर हत्या के दोषी को 10 साल की सजा

देवसर अदालत का फैसला, चितरंगी के रमेश अगरिया पर अर्थदंड भी लगाया गया

नवभारत न्यूज

देवसर 25 अप्रैल। जिले के चितरंगी थाना क्षेत्र के बगैया बिक्का टोला में जमीन विवाद को लेकर हुई मारपीट और महिला की मौत के मामले में देवसर स्थित द्वितीय अपर सत्र न्यायालय ने अहम फैसला सुनाया है। न्यायालय ने आरोपी रमेश अगरिया को दोषी करार देते हुए 10 वर्ष के सश्रम कारावास तथा एक हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। अर्थदंड अदा न करने पर आरोपी को अतिरिक्त 15 दिन का कारावास भुगतना होगा।

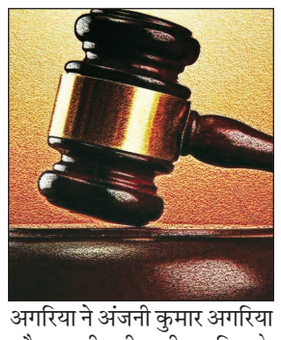

लोक अभियोजक अधिकारी मारकण्डेय मणि त्रिपाठी के अनुसार 29 दिसंबर 2024 की शाम करीब 7 बजे ग्राम बगैया बिक्का टोला में जमीन विवाद को लेकर आरोपी रमेश अगरिया ने अंजनी कुमार अगरिया और उसकी पत्नी मन्ती अगरिया के साथ विवाद किया। आरोप है कि आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए लाठी, लात और मुक्कों से दोनों की पिटाई कर दी। हमले में अंजनी कुमार घायल हो गया, जबकि मन्ती अगरिया को सीने और पेट में गंभीर चोटें आईं। उपचार के दौरान 31 दिसंबर 2024 को उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में किडनी और स्प्लीन में गंभीर चोटों के कारण अत्यधिक रक्तस्राव से मौत होना पाया गया। मेडिकल रिपोर्ट और गवाहों के बयान के आधार पर पुलिस ने हत्या सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर न्यायालय में चालान पेश किया। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत किए, जिनके आधार पर न्यायालय ने आरोपी को दोषसिद्ध माना। द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश महेंद्र पाल सिंह की अदालत ने आरोपी को भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 भाग-1 के तहत 10 वर्ष के सश्रम कारावास और धारा 115(2) के तहत तीन माह के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। दोनों सजाएं साथ-साथ चलेंगी। आरोपी 5 जनवरी 2025 से न्यायिक अभिरक्षा में जेल में निरुद्ध है। फैसले के बाद क्षेत्र में मामले को लेकर व्यापक चर्चा है।

एक नजर में

आज सासंद पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में करेंगे जनसुनवाई

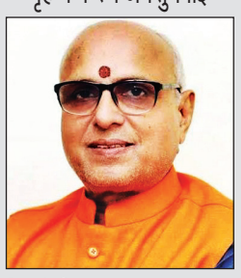

सिंगरौली। लोकसभा सांसद डॉ. राजेश मिश्रा माह के आखिरी रविवार 26 अप्रैल को अपने कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में उपस्थित रहेंगे तथा आम जनमानस से भेंट करेंगे। महीने के आखिरी कल रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का भी आयोजन होता है। सांसद सुबह 11 बजे देवसर विधानसभा के खुटार मंडल स्थिति परसौना शक्ति केंद्र के बूथ क्रमांक 141 पर उपस्थित होकर मन की बात कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखेंगे, तत्पश्चात वहां से चल कर दोपहर 12 बजे पुराने पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह स्थिति अपने कार्यालय पहुंचकर जनसुनवाई में उपस्थित होंगे और आम जनों से भेंट कर उनकी समस्याओं को सुनेंगे।

खुटार स्थित जुड़वा तालाब में चला स्वच्छता अभियान

सिंगरौली। जल संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आज शनिवार को खुटार स्थित जुड़वा तालाब परिसर में जल गंगा संवर्धन एवं स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। सुसंस्कार सोशल डेवलपमेंट सोसायटी नवांकुर संस्था सेक्टर खुटार के तत्वाधान में आयोजित इस कार्यक्रम में ग्रामीणों,समिति सदस्यों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई। अभियान के दौरान तालाब परिसर में व्यापक साफ-सफाई की गई।

भगवान तक पहुंचने के लिए विनम्रता व सच्ची श्रद्धा आवश्यक है : महाराज

भागवत कथा में दशम स्कंध की महिमा का दिव्य वर्णन

नवभारत न्यूज

चितरंगी 25 अप्रैल। ग्राम फुलकेश में गुरु परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के छठवें दिन दशम स्कंध का भावपूर्ण वर्णन किया गया।

कथा व्यास परम पूज्य अरुण कृष्ण शास्त्री जी महाराज ने अपने संबोधन में कहा कि मनुष्य के भीतर काम, क्रोध, लोभ, मोह और अज्ञान ही सबसे बड़ा आवरण है, जो उसे भगवान से दूर करता है। भगवान श्रीकृष्ण जब इस अज्ञान रूपी पर्दे को हटाते हैं, तब जीवात्मा उनके चरणों में स्थित हो जाती है और इसी दिव्य प्रक्रिया को रासलीला के रूप में समझाया गया है। महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि आज का मानव बाहरी आडंबर में उलझा हुआ है, जबकि वास्तविक भक्ति भीतर की शुद्धता में निहित है। उन्होंने बताया कि भगवान तक पहुंचने के लिए सरलता, विनम्रता और सच्ची श्रद्धा आवश्यक है। एकादशी व्रत के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि जैसे गंगा जल सबसे पवित्र माना जाता है, उसी प्रकार एकादशी व्रत आत्मा की शुद्धि का सर्वोत्तम माध्यम है। उद्धव चरित्र का वर्णन करते हुए महाराज ने कहा कि केवल ज्ञान प्राप्त करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसमें प्रेम, दया, करुणा और वात्सल्य का समावेश होना चाहिए, अन्यथा मनुष्य संवेदनहीन बन जाता है। भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मिणी विवाह की झांकी ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। इस अवसर पर लड्डू कृष्ण शास्त्री, विजय मिश्रा, सूरज मिश्रा, यजमान सुखेंद्र धर, शीतलाधर, रावेन्द्र धर, प्रवेंद्र धर, संदीप, हिमांशु, सचिन, सिंपल सहित हजारों श्रद्धालु मौजूद रहे।

अवैध खनिज परिवहन पर सख्ती, सिंगरौली में 40 हाईटेक ई-चेक गेट चालू

कलेक्टर के निर्देश पर डिजिटल निगरानी, हर वाहन की होगी रियल टाइम ट्रैकिंग, ओव्हरलोड व बिना ई-टीपी पर तुरंत कार्रवाई

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 25 अप्रैल। जिले में अवैध खनिज परिवहन पर रोक लगाने के लिए प्रशासन ने अब तकनीक का सहारा लेते हुए सख्ती और बढ़ा दी है। कलेक्टर सिंगरौली के निर्देश पर खनिज विभाग ने ई-चेक गेट प्रणाली को पूरी तरह सक्रिय कर दिया है।

खनिज अधिकारी आकांक्षा पटेल ने बताया कि म.प्र. शासन की 16 अप्रैल से लागू संशोधित अधिसूचना के तहत पूरे प्रदेश में 40 मानव रहित ई-चेक गेट प्रभावी रूप से कार्यरत हो गए हैं, जिनका उद्देश्य खनिज परिवहन की पारदर्शी और सटीक निगरानी सुनिश्चित करना है। जिले में तेलाई तहसील सिंगरौली, नौगई तहसील चितरंगी और खनहना बैरिया तहसील देवसर में स्थापित ई-चेक गेट अब 24×7 ऑनलाइन मॉनिटरिंग कर रहे हैं। इन गेटों से गुजरने वाले प्रत्येक खनिज परिवहन वाहन की जानकारी स्वत: सिस्टम में दर्ज हो रही है, जिससे मानवीय हस्तक्षेप समाप्त हो गया है और भ्रष्टाचार की संभावनाएं भी कम हो गई हैं। खनिज अधिकारी के अनुसार अब सभी वाहनों पर आरएफआईडी टैग लगाना अनिवार्य कर दिया गया है, जो वाहन के फ्रंट ग्लास पर लगाया जाता है। इसके साथ ही ऑटोमेटिक नंबर प्लेट रीडर एएनपीआर और हाई-रेजोल्यूशन सीसीटीव्ही कैमरों के माध्यम से वाहन का नंबर, वजन और खनिज की मात्रा का मिलान किया जाएगा। यदि किसी वाहन में ओवरलोड, बिना ई-टीपी या नियमों का उल्लंघन पाया जाता है तो तत्काल कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध परिवहन में लिप्त पाए जाने वाले वाहन मालिकों के खिलाफ कड़ी दंडात्मक कार्रवाई होगी और आवश्यक होने पर वाहनों की जसी भी की जाएगी। यह नई व्यवस्था खनिज माफियाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने की दिशा में बड़ा कदम मानी जा रही है।

18 साल के आयुष ने बनाया ऑफ लाइन एआई प्लेटफॉर्म

सिंगरौली विधायक रामनिवास शाह से साझा की नई तकनीक

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 25 अप्रैल। जिले की युवा प्रतिभाओं में तेजी से उभर रहे आयुष द्विवेदी ने कम उम्र में तकनीक के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल कर क्षेत्र का मान बढ़ाया है।

महज 18 वर्ष की आयु में आयुष ने एक एआई आधारित वेबसाइट विकसित की है, जिसकी खासियत यह है कि इसे ऑफलाइन मोड में भी उपयोग किया जा सकता है। यह नवाचार उनकी तकनीकी समझ, रचनात्मक सोच और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर किए गए प्रयासों का उत्कृष्ट उदाहरण माना जा रहा है। इसी उपलब्धि को लेकर आयुष द्विवेदी ने सिंगरौली विधायक रामनिवास शाह के बिलौंजी स्थित विधायक कार्यालय पहुंचकर मुलाकात की और अपने एआई प्लेटफॉर्म की विशेषताओं से अवगत कराया। विधायक ने आयुष की प्रतिभा और नवाचार की सराहना करते हुए इसे जिले के युवाओं के लिए प्रेरणादायक बताया।

आंचलिक पत्रकार बृजेश द्विवेदी के निधन से शोक

हार्ट अटैक से हुआ आकस्मिक देहांत

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 25 अप्रैल। जिले के देवसर क्षेत्र अंतर्गत झखरावल निवासी आंचलिक पत्रकार बृजेश द्विवेदी का आज शनिवार को हृदयाघात से आकस्मिक निधन हो गया।

आंचलिक पत्रकार के निधन की खबर मिलते ही पत्रकारिता जगत में शोक की लहर दौड़ गई। सरल स्वभाव, निष्पक्ष लेखनी और सामाजिक सरोकारों के प्रति सजग रहने वाले बृजेश द्विवेदी लंबे समय से आंचलिक पत्रकारिता में सक्रिय थे। उन्होंने जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाकर समाज में अपनी अलग पहचान बनाई थी। उनके निधन को पत्रकारिता जगत के लिए अपूरणीय क्षति माना जा रहा है। सूचना मिलते ही पत्रकारों, जनप्रतिनिधियों व सामाजिक संगठनों के लोगों ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। क्षेत्रवासियों ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिजनों को इस कठिन समय में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की है।

कलेक्टर साहब! तेज गर्मी में बच्चों की सेहत खतरे में, छुट्टी की उठी मांग

भीषण गर्मी में बच्चों को स्कूल भेजने-लाने में रोज जूझ रहे हैं परेशान अभिभावक

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 25 अप्रैल। जिले में लगातार बढ़ती भीषण गर्मी ने जनजीवन को बेहाल कर दिया है। सुबह 8 बजे से ही तेज धूप शुरू हो जाती है और दोपहर बाद तापमान 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है। बावजूद कक्षा 6वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए स्कूल संचालित किए जा रहे हैं, जिससे बच्चों और अभिभावकों की परेशानी बढ़ती जा रही है।

छोटे बच्चों (नर्सरी से 5वीं तक) को भले ही अवकाश दे दिया गया हो, लेकिन बड़े बच्चों को इस तपती गर्मी में स्कूल जाने को मजबूर होना पड़ रहा है। अभिभावकों का कहना है कि सुबह 7:30 बजे स्कूल का समय निर्धारित होने के बावजूद बच्चों को तैयार करने, स्कूल छोड़ने और वापस लाने के दौरान तेज धूप और गर्म हवाओं का सामना करना पड़ रहा है। दोपहर तक तापमान और अधिक बढ़ जाता है, जिससे बच्चों की सेहत पर बुरा असर पड़ने का खतरा बना हुआ है। मिश्रा पाली क्लीनिक के संचालक डॉ. डीके मिश्रा के अनुसार भीषण गर्मी में बच्चों और बड़ों दोनों को लू व डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ जाता है। पर्याप्त पानी पिएं, धूप से बचें, हल्के कपड़े पहनें और दोपहर में बाहर निकलने से परहेज करें, ताकि स्वास्थ्य सुरक्षित रखा जा सके। ऐसे में अभिभावकों ने प्रशासन से मांग की है कि कक्षा 6वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों को भी अस्थायी रूप से छुट्टी दी जाए या फिर ऑनलाइन कक्षाएं संचालित की जाएं।

जनगणना का तीन दिवसीय महाप्रशिक्षण आयोजित

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 25 अप्रैल। भारत की आगामी जनगणना की तैयारियों के अंतर्गत जिले में प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों के लिए आयोजित तीन चरणीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

शा.महावि. स्थित विज्ञान भवन में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी एवं ननि आयुक्त सविता प्रधान के मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण के माध्यम से जिले को जनगणना कार्य के लिए तकनीकी रूप से सक्षम, दक्ष एवं प्रशिक्षित मानव संसाधन प्राप्त हुआ है, जो आगामी जनगणना कार्य को सुचारू, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित ढंग से संपन्न करेगा। जनगणना कार्य की जटिलताओं को ध्यान में रखते हुए प्रशिक्षण तीन चरणों में आयोजित किया गया। वहीं प्रशिक्षण सत्र को संबोधित करते हुए भोपाल से आयें जिला जनगणना समन्वयक हुसैन अली ने कहा कि जनगणना केवल जनसंख्या की गणना नहीं, बल्कि देश के विकास की मजबूत आधारशिला है। संपूर्ण कार्यक्रम के सुव्यवस्थित संचालन में प्रभारी अधिकारी ज्योति सिंह एवं उनकी टीम की भूमिका रही।

आज से चलेगा विशेष हेलमेट चेकिंग अभियान

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 25 अप्रैल। जिले में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और लोगों को सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सिंगरौली पुलिस कल 26 अप्रैल से 10 मई तक 15 दिवसीय विशेष हेलमेट चेकिंग एवं जागरूकता अभियान चलाएगी।

पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर शुरू हो रहे इस अभियान में बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिले के प्रमुख चौराहों, संपर्क मार्गों और संवेदनशील स्थानों पर विशेष जांच दल तैनात किए जाएंगे। अभियान के दौरान बिना हेलमेट वाहन चलाते पाए जाने पर मोटर यान अधिनियम के तहत चालानी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का जोर केवल दंडात्मक कार्रवाई तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि लोगों को हेलमेट पहनने के महत्व को समझाने पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।

सीवरेज निर्माण में टूटी अमृत जल पाइप लाइन, सड़क पर बहा हजारों लीटर पानी

एक ओर वार्डों में पेयजल संकट, दूसरी ओर लापरवाही से हो रही पानी की बर्बादी, जिम्मेदारों की कार्यशैली पर उठे सवाल

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 25 अप्रैल। नगर पालिक निगम क्षेत्र के बिलौंजी स्थित बिजली विभाग पचखोरा तिराहा के पास आज शनिवार की सुबह करीब 6:30 बजे अमृत जल योजना की पाइप लाइन क्षतिग्रस्त होने से हजारों लीटर पानी सड़क पर बह गया।

सुबह के समय अचानक सड़क पर तेज बहाव के साथ पानी फैलने से राहगीरों और स्थानीय लोगों का ध्यान इस ओर गया। देखते ही देखते सड़क के एक बड़े हिस्से पर पानी जमा हो गया, जिससे आवागमन भी प्रभावित हुआ। स्थानीय लोगों ने बताया कि सीवरेज निर्माण कार्य के दौरान खुदाई के चलते अमृत जल योजना की पाइप लाइन टूट गई, जिसके कारण यह स्थिति निर्मित हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पाइप लाइन टूटने के बाद काफी देर तक पानी लगातार बहता रहा, लेकिन संबंधित विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों और निर्माण एजेंसी की ओर से तत्काल सुधार कार्य शुरू नहीं किया गया। इससे बड़ी मात्रा में पेयजल व्यर्थ बहता रहा। लोगों का कहना है कि शहर में सीवरेज परियोजना के निर्माण के दौरान अक्सर ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं, जहां लापरवाही पूर्वक की जा रही खुदाई से जलापूर्ति पाइप लाइनें क्षतिग्रस्त हो रही हैं। इसके बावजूद न तो निर्माण एजेंसी पर कोई सख्त कार्रवाई की जा रही है और न ही भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं।

ठेकेदार पर हो कार्रवाई

स्थानीय नागरिकों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि एक ओर बैढ़न शहर के कई वार्ड ऐसे हैं, जहां गर्मी के मौसम में पेयजल संकट गहराने लगा है। लोगों को पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है और कई इलाकों में जलापूर्ति व्यवस्था चरमराई हुई है। वहीं दूसरी ओर जिम्मेदारों की अनदेखी और ठेकेदारों की लापरवाही के कारण अमृत जल योजना का पानी खुलेआम सड़कों पर बहकर बर्बाद हो रहा है। यह स्थिति प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करती है। नागरिकों ने मांग की है कि सीवरेज निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। साथ ही पाइप लाइन क्षतिग्रस्त करने वाले ठेकेदारों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, फिलहाल घटना को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल है और लोग जिम्मेदार अधिकारियों से जवाबदेही तय करने की मांग कर रहे हैं।